आकर्षित करना चाहता हूं। 1988 में माननीय प्रधान मंत्री, श्री राजीव गांधी जी ने उसका शिलान्यास किया था। महोदय, मौलाना आजाद राष्ट्रीय नहीं अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के व्यक्ति थे और रांची में उनको तीन बरस तक जेल हुई और वहां उनकी काफी गतिविधि हुई। 1988 से इसकी नींव रखने के बाद से आज तक उनके स्मारक के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं हुई। जो एक सुंदर स्थल था मोराबादी, टैगोर हिल के बगल में, वह कूड़ाघर के रूप में विकसित हो गया। उस समय ढाई करोड़ की लागत से इसको बनाने की बात कही गई थी। महोदय, आज हम आजादी की 50वीं वर्षगाठ मनाने जा रहे हैं और मौलाना आजाद जैसे, इतने ख्याति प्राप्त लोग, जिनका स्तर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय ख्याति का है, क्या हम उनके स्मारक का निर्माण नहीं कर सकते?

मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूं कि कम से कम इस वर्ष में मौलाना अबुल कलाम आजाद का स्मारक रांची में बनवा दिया जाए। यही हमारा कहना है। धन्यवाद।

Need to Review Irrigation Potential in Orissa

SHRI SANATAN BISI (Orissa): Sir, I would like to thank you for giving me this opportunity to raise an urgent and serious matter with regard to reviewing the irrigation potential in Orrisa. I also take this opportunity to congratulate our hon. Chairman for taking a decision to constitute a House Committee to go into the question of drought in Orissa. Sir, as you know, it is stated in the Approach Paper of the 9th Plan that great stress will laid on resource accounting methodologies so that a decision can be taken on the full cost to the nation. It is also stated that steps are needed to be taken for efficient use of soil and water resources. The national percentage of net irrigated area to total cultivable area is only 27.2. In Orissa this percentage is 25.6. In the 7th Plan, 1985-90, the allocation made was Rs. 2614.33 crores for 216.7 thousand hectares. In the 8th Plan a sum of Rs. 389.40 crores was allocated with an outlay of Rs. 3007.73 crores for 484 thousand hectares. The targeted estimate for the 8th Plan was 2.9 million hectares.

There are seven under-construction dams and seven on-going projects in Orissa with a Central Loan Assistance of Rs. 92.10 crores for the year 1996-97. Sir, the undivided districts of Kalahandi, Bolangir and Koraput have been identified as starvation death pockets.

Large scale migration is still continuing there. I request that there should be proper utilisation of funds and monitoring should be done from time to time. Sir, I again thank you for giving me this opportunity.

Resentment among the victims of 1989 Riots of Bhagalpur (Bihar) Due to Recollection of Money Given to them as relief by banks

मौलाना हबीबुर्रहमान नोमानी (नाम निर्देशित): महोदय, मैं आपका शुक्रगुजार हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं आपके माध्यम से भागलपुर के दुःखद हालात की तरफ सरकार की तवज्जह दिलाना चाहता हूं। महोदय, भागलपुर में जैसा भयानक दंगा हुआ था, जिससे पूरे हिंदुस्तान के लोगों के अंदर बेचैनी पैदा हुई थी, इस तरह से लूटमार हुई, लोगों के घर जलाए गए, लोगों को कत्ल किया गया, लोगों के कारखाने बरबाद किए गए, उस वक्त पूरे हिन्दुस्तान की राय से मुतास्सिर होकर बिहार गवर्नमेंट ने यह ऐलान किया था कि हम उनकी आबादकारी के लिए पूरी-पूरी मदद करेंगे, उनके घरों को बनाने के लिए मुआवज़ा देंगे, बुनकरों के जो करघे या पावरलूम बरबाद हुए हैं, उसका भी पूरा-पूरा मुआवज़ा देंगे लेकिन ये सारे वायदे होने के बाद उनको क्या दिया गया है?

महोदय, कलक्टर की तरफ से एक नोटिस जारी किया गया और जहां पहले यह तय हुआ था कि उनको 50,000 रुपए का मुआवज़ा दिया जाएगा, उस नोटिस में उनको 25,000 रुपए मुआवज़ा देने के लिए कहा गया। जिनको पहले 30,000 रुपए मुआवज़ा देने की बात थी, उनको 10,000 रुपए मुआवज़ा देने केलिए कहा गया। लेकिन देते वक्त न किसी को 25,000 रुपए दिए गए, न किसी को 10,000 रुपए दिए गए। किसी को ढाई हजार और किसी को पांच हजार रुपए दिए गए। इस तरह से बहुत थोड़ा मुआवज़ा दिया गया और उसमें भी उनके साथ धोखा और फरेब किया गया। यह कहकर मुआवज़ा दिलवाया गया कि आप इस फार्म पर दस्तखत करिए, गवर्नमेंट इसको अदा करेगी, यह आपके लिए

अनुदान है। आज उन्हीं लोगों से, ऐसे तकरीबन 2,000 लोग हैं, उन लोगों से इस पैसे को ब्याज समेत वसूल किया जा रहा है। उनको पकड़ा जा रहा है, उनको बंद किया जा रहा है। इस तरह से उनके साथ धोखा किया गया है, फरेब किया गया है।

महोदय, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस सिलसिले में बिहार के अंदर जितनी भी कोशिश हुई, मुख्यमंत्री से बात हुई, लोगों ने धरना दिया लेकिन अब तक उस सिलसिले में कोई कार्यवाही नहीं की गई है। मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि सेंट्रल गवर्नमेंट इसमें दखल दें और जो वसूली हो रही है उसको फौरन बंद करे और जैसा कि वायदा किया गया था, उस वायदे को पूरा करे। गवर्नमेंट उस पैसे को अदा करे और लोगों से उसकी वसूली हरगिज़ न की जाए, मैं आपसे यही कहना चाहता हूं। मुझे पूरा यकीन है और भरोसा है कि गवर्नमेंट इसकी तरफ तवज्जह देगी और उनके साथ जो नाइंसाफी हो रही है, जो ज्यादती हो रही है उसे खत्म करेगी तभी लोगों के दिलों में जो बेचैनी है, वह दूर हो सकेगी।

†[مولانا حبیب الرحمٰن نعمانی (نامزد): مہودے۔ میں آپکا شکرگزار ہوں کہ آپنے مجھے بولنے کا موقع دیا۔ میں آپکے مادھیم سے بھاگلپور کے دکھد حالات کی طرف سرکار کی توجہ دلانا چاہتا ہوں۔ مہودے بھاگلپور میں جیسا بھیانک دنگا ہوا تھا۔ جسسے پورے ہندوستان کے لوگوں کے اندر بیچینی پیدا ہوئی تھی۔ اسطرح سے لوٹ مار ہوئی۔ لوگوں کے گھر جلائے گئے۔ اسوقت پورے ہندوستان کی رائے سے متاثر ہوکر بہار گورنمنٹ نے یہ اعلان کیا تھا کہ ہم انکی آبادکاری کیلئے پوری پوری مدد کرینگے۔ انکے گھروں کو بنانے کیلئے معاوضہ دینگے۔ بنکروں کے جو کرگھے یا پاور لوم برباد ہوگئے ہیں اسکا بھی پورا پورا معاوضہ دینگے۔ لیکن یہ سارے وعدے ہونے کے بعد انکو کیا دیا گیا ہے۔

مہودے۔ کلکٹر کی طرف سے ایک نوٹس جاری کیا گیا اور جہاں پہلے یہ طے ہوا تھا کہ انکو ۵۰ ہزار روپیہ کا معاوضہ دیا جائیگا۔ اس نوٹس میں انکو ۲۵ ہزار روپیہ معاوضہ دینے کیلئے کہا گیا جنکو پہلے ۳۰ ہزار روپیہ دینے کی بات تھی انکو ۱۰ ہزار روپیہ معاوضہ دینے کیلئے کہا گیا۔ لیکن دیتے وقت نہ کسی کو ۲۵ ہزار روپیہ دیئے گئے اور نہ کسی کو ۱۰ ہزار روپیہ دیئے گئے۔ کسی کو دو ہزار روپیہ اور کسی کو پانچ ہزار روپیہ دیئے گئے۔ اسطرح سے تھوڑا تھوڑا معاوضہ دیا گیا اور اسمیں بھی انکے ساتھ دھوکہ اور فریب کیا گیا۔ یہ کہکر کہ معاوضہ دلوایا گیا کہ اس فارم پر دستخط کیجئے۔ گورنمنٹ اسکو ادا کریگی۔ یہ آپکے لئے انودان ہے۔ آج انہی لوگوں سے ایسے تقریباً دو ہزار لوگ ہیں ان لوگوں سے اس پیسہ کا بیاج سمیت وصول کیا جا رہا ہے انکو پکڑا جا رہا ہے۔ انکو بند کیا جا رہا ہے۔ اسطرح سے انکے ساتھ دھوکہ کیا گیا ہے فریب کیا گیا ہے۔

†[] Transliteration in Arabic Script.

مہودے میں آپ سے کہنا چاہتا ہوں کہ اس سلسلے میں یہاں کے اندر جتنی بھی کوشش ہوئی - ملکیہ منتری سے بات ہوئی - لوگوں نے دھرنا دیا - لیکن اب تک اس سلسلے میں کوئی کارروائی نہیں کی گئی ہے - میں آپ کے مادھیم سے مانگ کرنا چاہتا ہوں کہ سینٹرل گورنمنٹ اس میں دخل دے - اور جو وصولی ہو رہی ہے اسکو فوراً بند کرے اور جیسا کہ وعدہ کیا گیا تھا - اس وعدے کو پورا کرے - گورنمنٹ اس پیسے کو ادا کرے اور لوگوں سے اسکی وصولی ہرگز نہ کی جائے - میں آپ سے یہی کہنا چاہتا ہوں - مجھے پورا یقین ہے اور بھروسہ ہے کہ گورنمنٹ اسکی طرف توجہ دیگی اور انکے ساتھ جو ناانصافی ہو رہی ہے - جو زیادتی ہو رہی ہے اسے ختم کریگی - تبھی لوگوں کے دلوں میں جو بےچینی ہے - وہ دور ہو سکے گی]

Murder of a Doctor at his clinic

श्रीमती मालती शर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर मसले की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। महोदय। इस सदन में कई बार उत्तर प्रदेश की स्थिति के बारे में मेरे सभी भाइयों ने बड़ी गंभीर चिंता व्यक्त की है। महोदय, मैं विशेष रूप से अपने जिले मुजफ्फरनगर की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं। महोदय। यह जिला सदैव शांतिप्रिय जिला रहा है लेकिन अब कुछ समय से वहां की जो हालत हो गई है, उसकी ओर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं।

महोदय, मुजफ्फरनगर के एक विख्यात डाक्टर जिन्होंने अपने जीवन के 47 साल मानवता की सेवा में लगा दिए, जो हार्ट-स्पेशेलिस्ट थे, डा० वेद भूषण, परसों दिन-दहाड़े साढ़े ग्यारह बजे उनके क्लिनिक में घुसकर उकी हत्या कर दी गई। महोदय, उनका क्लिनिक ऐसे स्थान पर है जो थिकली पापुलेटेड है। उनके क्लिनिक में घुसकर उनको गोली मर दी गई और वे वहीं खत्म हो गए।

महोदय, मुझे बड़े दुःख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि जब प्रशासन को यह जानकारी थी कि डाक्टर साहब का एक-सवा साल पहले अपहरण हुआ था और उस अपहरण में कुछ लोगों पर मुकदमा कायम हुआ था, वे बचकर निकल आए थे, चूंकि वे उस अपहरण के चश्मदीद गवाह थे, उनकी गवाही होने वाले थी, इसलिए उनको थ्रैटन किया जा रहा था। ये सारी चीजें प्रशासन की जानकारी में थी; और इसकी जानकारी होते हुए भी उनकी कोई हिफाज़त नहीं की गई जिससे कि उनकी जान की रक्षा हो सके।

महोदय, बड़े दुःख के साथ कहना पड़ता है कि इस तरह से तो लोगों के साथ अत्याचार हुआ करेंगे और अत्याचारी को जो कोई पहचानने का काम भी करेगा तो उसको भी उठा करके खत्म कर दिया जाया करेगा। डाक्टर साहब को इसलिए मारा गया, चूंकि उनका अपहरण हुआ था और अपहरणकर्ताओं की शिनाख्त होनी थी इसलिए उनकी हत्या कर दी गई। महोदय। कुछ ही समय पहले रामपुर तिराहा कांड में जो सिपाही चश्मदीद गवाह था उसके घर जाकर के उसकी हत्या करदी गई। ब्रह्म दत्त द्विवेदी जो गैस्ट हाऊस कांड के चश्मदीद गवाह थे उनकी हत्या करदी गई। तो मैं दुःख के साथ यह बात आपके सामने रखना चाहती हूं कि अभी जो मेरी बहन का केस आया है, इन सारे केसेज में लोग जा करके कहीं बताया भी न करें कि हमारी यह दुर्दशा हुई है। तो यह स्थिति उत्तर प्रदेश की निर्माण हो रही है। कल ही एक डेप्यूटेशन वहां से आया था। माननीय गृह मंत्री जी ने समय दिया था, मैं आभार व्यक्त रहती हूं उनका। लेकिन साथ-साथ मैं यह भी मांग करती हूं कि इतने जैसे गंभीर मसले को डाक्टर जैसा पेशा जिसको भगवान के स्थान पर दूसरे रूप में सारा समाज मानता है, रोता हुआ व्यक्ति जाता है और वह ठीक करने की कोशिश करता है। कभी वह किसी मरीज से भी दुराव नहीं करता। ऐसे लोग जो अपने क्लीनिक पर भी सुरक्षित नहीं हैं तो अन्य लोगों की कैसे हिफाजत होगी, यह गंभीर मसला है। इस केस को तुरन्त खोला जाए, दोषियों को सजा दी जाए और मुजफ्फरनगर की बिगड़ती हुए कानून व्यवस्था पर तुरन्त कदम उठाए जाएं जिससे वहां शांति हो सके। आए दिन लोगों के